THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): Please sit down. You have said enough. We will now have a discussion on U.P. (Interruptions) Mr. Sikander Bakht, you please get up and initiate the discussion. (Interruptions) Will you please sit down?

SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: This is not the way, Mr. Vice-Chairman.

SHRI SATISH AGARWAL: Mr. Bhatt, you cannot challenge the ruling of the Chair.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Here might is right sometimes. (Interruptions)

SHORT DURATION DISCUSSION Deteriorating Law and Order Situation in Uttar Pradesh

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बखत): सदर साहब, मैंने 17 फरवरी को चेयरमैन साहब की खिदमत में दरख्वासा दी थी कि यह जो उत्तर प्रदेश .....(ख्यवधान)....

رود حص ول تتوى مساكن لرمخة

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): There is no statement. This is a discussion and Mr. Sikander Bakht is initiating it.

श्री सिकन्दर बख्तः उत्तर प्रदेश का जो सिलसिला हआ था और 17 फरवरी से लेकर अब तक

النغری مملکڈر بخت ، (تریز بیش کاجو مسلسلہ سمبور تحفاد ور مرافر دری سے لیکر

much water has flowed down the bridge.

आज अखबायत् में पढ़ा कि दूसरे सदन में कोई पैनल बनाने की बात हुई है। इसको बहुत गौर से पढ़ने के बाद भी मैं किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सका कि पैनल टाइम बाउंड है या नहीं? पैनल का कोई ताल्लुक सुप्रीम कोर्ट की जजमेंट से है या नहीं? जजमेंट कब आ सकती है और उस समय यह पैनल रहेगा या नहीं? क्या यह पैनल को-टर्मिनस है, जो प्रेजीडेंट रूल है, उसके पीरियड के साथ को-टर्मिनस है? इन सबका कुछ उल्लेख नहीं है। तो चीज़ें उलझती जा रही है। एक-आध चीज़ शायद कोई नई हो जाए लेकिन ज्यादातर पुरानी चीज़ें हैं, जो चुकी है, उनको ही सामने रखकर मैं बात करूंगा। मेरा कोई भाषण करने का इरादा नहीं है, मैं सिर्फ फैक्ट्स रखंगा। मैंने अपनी दरख्वास्त में यह कहा थाः—

آج اخبار دت میں بر حالہ دہ

**†[]**Transliteration in Arabic Script

Sixty-three murders were registered in the State of Uttar Pradesh during February this year. I am talking specifically on the law and order situation in U.P. There is a long list of murders, robberies, road hold-ups etc. The law and order machinery has completely broken down. The Government finds itself totally incompetent to prevent, etc. etc. तो मैं सिर्फ वाकयात आपके सामने रखना चाहता हं। मैं हवा में कोई बात नहीं करना चाहता हूं। मैं सिर्फ वाकयात आपके सामने रखना चाहता हूं। सदर साहब, "गाहे-गाहे बाजू ख्नां एं किस्सा-पारिना रा'' ये जो पराने किस्से दोहराने की बात किसी शायर ने एक दर्दमंद दिल के लिए कही थी जो ऐसी यादे ताजा करता था अपने जहन में कि जिसमें खुशबुएं बरसती थीं, फुल बरसते थे। मैं दोहराई हुई बातों को दोहराने के लिए हाजिर हुआ हं लेकिन बदकिस्पती यह है कि उसमें सिवाय बेशर्मी के और जिल्लत के और किसी किस्म की आग बरसने वाली नहीं 81

महोदव, उत्तर प्रदेश में ला एंड आर्डर की सूरते-हाल बिल्कुल बिगड़ चुकी है। दिन रात कत्लो-गारत का बाजार गर्म है। लोग सूरज ढलने के बाद घरों से निकलने में डरते है। सियासी लोग बेतकाम मारे जा रहे है। जाती टकराव भी आम हो चुके हैं। लोगों की जानें जाया हो रही है। दिन-दहाड़े डाके पड़ रहे हैं। लोग अगवा किए जा रहे हैं। खवातीन की इज्जत गैर-महफूज हो रही है। आम आदमी की जिंदगी दवाहाली में उलझ चुकी है। गारज नाकानूनियत का बाजार गर्म है। उत्तर प्रदेश में कोई सरकार है भी या नहीं, नजर नहीं आता है।

सदर साहब, जैसा मैंने कहा कि मेरा भाषण करने का इग्रदा नहीं है। मैं सिर्फ वाकयात आपके सामने रखूंगा कि क्या-क्या हुए हैं। महोदय, 633 कब्ल की वारदातें सिर्फ जनवरी, 1997 में हुई है। ये अखबारात में आ चुका है। वे कटिग्ज मेरे पास है। मैं आपके सामने क्योट कर दूंगा। यह एक महीने की बात है उसमें से कुछ मोटे-मोटे वाकयात आपकी खिदमत में मैं रखना वाहता हूं। बदकिस्मती यह है कि वहां के हालात तबाह हो चुके हैं और वहां के गवर्नर साहब दावेदारी किए बगैर बाज नहीं आते हैं। वह समझते है कि वहां जो कुछ हो रहा है बिल्कुल दुरुस्त है। बिल्कुल अमन-चैन है और बदकिस्मती यह है कि लोगों की मौत का मकाबला हम अगली और पिछली मोतों से करते हैं कि उस महीने में इतनी हुई थीं, उस साल में इतनी हुई थीं, यहां इतनी कम हुई हैं। इंसानी जिंदगी को हम अर्थमेटिक के फारमूले के अंदर तब्दील करने की कोशिश करते हैं। महोदय, 4 जनवरी को 3 लोगों का मर्डर हुआ जिसमें एक महिला भी शामिल थी।

التوی سکندر بخت جماری" میرس مو ودخيات آبيح مساييز لركفنا حار میں مورمیں تو کی بات مہیں برنا. مبردحباحب كاسجابيه بإزخون ايومع يه جوم المعقد دوموليفي ما مشاعهف بيک در د مندول کيليز ک کش جو الیسی پادیں ال برميزون ب م*ہودے۔ا*تر *پر دیش* میں لال الدور فكصورتحال باللا بدهجي سع ون ارات فتلا وغادمت كاباذار المميع - يوك تحركها فكود استير تطله م مار ساحات بس - درای مکر او بع ما چے ہیں- یوتوں کاجا نیں مناقع ہور ہی

**†L7**Transliteration in Arabi. Script

ī

- (w - (w (a) ( - ( ) ) / ( -

لأكالي تحا نور تبديهم شامل متم-]

They were killed in Behrampur village in Bullandshahr district. As a result of caste violence, six Harijans were axed in Meerut on the 6th January. This is followed by further murders of persons belonging to the Guijar community. A constable, Subash Chandra Giri, the key witness in the Muzzafarnagar firing, was shot dead on the Dehradun Express. On the 11th January two persons were killed in a clash between two mafia groups in Gorakhpur. On 19th January two persons were killed in a caste violence between Brahmins and Yadavs in the Allahabad district. The 26th January, the Republic Day witnessed the killings of five persons in a caste war between Thakurs and Brahmins in Hamirpur. On 11th January again, a lottery seller was shot dead in front of the Sheetal Plaza complex by a guntotting youth in day light. On 24th January three persons including a railway contractor were gunned down in Alambagh, Lucknow. the VHP leader, Rungta, was kidnapped from Varanasi and his whereabouts have not been known so far. On 5th January, a Sub-Amitabh Divisional Magistrate. Srivastava was shot dead-

यानी अवाम की बात तो छोड़िए, मजिस्ट्रेट तक को नहीं छोड़ा गया है—

at his Allahabad residence. Earlier he was posted as DM at Ayodhya.

TUJ Transliteration in Arabic Script

Several National Cadet Corps, giri cadets from Jammu and Kashmir, who were returning after participating in the Republic Day celebration, were molested on Shalimar Express. Then, Banaras Hindu University—Udaipur College— Lakhimpur-Sitapur bus looted. Gold, silver and other valuables were stolen from the palatial kothi of Shri V.P. Singh in Allahabad. Shri V.P. Singh is undergoing treatment abroad but his house was looted in Allahabad.

बहत किस्से हैं गरज-ये के।

+[ببت قيقت ہيں غرصيكہ تا

A senior B.J.P leader and former Minister, Brahm Dutta Trivedi, was shot dead along with his body guards in the home district of Farrukhabad. Another B.J.P. leader, Shri Anil Yadav, was shot dead in Kanpur Dehat.

अब मैं बहुत मुश्किल में हूं क्योंकि इन्द्रजीत गुप्त साहब को अज़ीज रखता हूं, पसंद करता हूं, कद्र करता हं ....(व्यवधान)

मैं कहने ही वाला था----शेर। मगर यह इनको देखकर रहम आने लगा है कि सियासत का सफर पाबजौलां तय हो रहा है।

His helplessness is vivid. He is passing through a phase of screaming agony.

किस्सा यह है, मैं इन्द्रजीत गुप्त जी से मेरा ख्याल, है, मुझे गलत नहीं समझेंगे। मेहरबानी को है आज़म साहब बोल पड़े हैं। मेरा इन्द्रजीत गुप्त जी से जो दिली ताल्लुक है उसको तोड़ना नहीं चाहता हूं। मगर

> "मक़ते में आ पड़ी सुखन गुस्तराना बात, मजर इससे क़ते मोहब्बत नहीं मुझे।"

श्री नरेन्द्र मोहनः तर्जुमां तो कर दीजिए हुजूर।

श्री सिकन्दर खख्तः मक़ते में आ पड़ी है—इसका मतलब यह है कि एक बात ऐसी आ पड़ी है कि जिसको जिक्र करना पड़ रहा है, करने को जी नहीं चाह रहा है लेकिन मजबूरन करना पड़ रहा है। मंजूर इससे कृते मोहब्बत—मोहब्बत का जो हिस्सा है इन्द्रजीत गुप्त जी से वह तोडने का कोई इरादा नहीं है।

†[]Transliteration in Arabic Script.

[RAJYA SABHA]

ı

सदर साहिबा, होम मिनिस्टर साहब ने दो बार एक बयान दिया है जिससे यह मालम होता है . इससे आगे तफसिलात में जाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी। एक तो गाजियाबाद के अंदर जो चार लोग कल्ल किए गए थे उस सिलसिले में आपने 19 दिसम्बर को हाऊस में बयान दिया था कि---मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि यह चार नौजवान पुलिस के हाथों मारे गए। मेरे पास कागज मौजद है। उसमें से कोर्ट भी कर सकता हं आपके अल्फाज । 19 फरबरी को आपने लोक सभा में फरमाया कि—-गाजियाबाद में जिन चार नौजवानों की हत्या हुई उसमें कोई शक नहीं कि वह हत्या पुलिस वालों ने की। इस मामले में वहां से तमाम दरख्वास्त नागरिकों के हस्ताक्षर समेत मेरे पास आई हैं. वगैरह-वगैरह। इसके बाद क्या जस्टिफिकेशन रह जाता है य॰पी॰ के गवर्नर के बाद होम मिनिस्टर साहब को रह करने का। 24 फरवरी को एक दफे फिर बोले जिसमें आपने कहा

"Evcrybody is deeply concerned and worried over what is happening in the largest State in this country. It is heading for anarchy, chaos and destruction" मुलायम सिंह जी का एक बयान हुआ।

Addressing a Press meeting in Bhopal, he said:

"There was no substance in the charge that law and order in that State has collapsed under Mr. Bhandari's rule." यह स्टेट्समैन में आया है। गलत और सही को बात मुलायम सिंह जी तशरीफ रखते होते तो वही बतलाते, क्योंकि इसकी तरदीद नहीं हुई। इसलिए हम ठीक मान लेते हैं। देवेगौडा साहब का बयान है—

"I cannot take action against the Governor if a murder takes place in the State."

यह पॉयनियर में 5 मार्च में आया है।

المشر*ی سکتور بخ*ت جاری \* ۱ اب میں بہت سنسل میں بہلی کیونکہ *ا* موارحیت کیکتا المتذور للرمقا - مشير -

فالكاج لأميا 19 SEL ) (L) (L "Everybody is deeply concerned and worried over what is happening in the largest State in this country. It is heading for anarchy, chaos and destruction." Addressing a Press meeting in Bhopal, he said: دودا †[ملام مسنگ جی کا (یک برای بولتا "There was no substance in the charge that law and order in that State has collapsed under Mr. می*ت ت*و فاز ازماد *کے ا*لزر حوجا

Bhandari's rule."

†[] Transliteration in Arabic Script.

77-0 بيان پيم-إ

"I cannot take action against the Governor if a murder takes place in the State."

اليرمين بانج مارج توزيا بع-]

यह पॉयोनियर में 5 मार्च को आया है। रोमेश भंडारी जी फरमाते हैं:

المتوى مسكة لرجمت "جارى " ويدما يوتيم میں ۵ مارچ کوڑیا ہیں۔ لرومیٹہ پھ 

Inaugurating a college of technical education in village Raipur, Mr. Bhandari alleged that the Union Home Minister misguided the nation about the law and order situation in the State. He did not have up-to-date information about the law and order situation in Uttar Pradesh."

गवर्नर साहब यह भूलते हैं कि प्रेज़ीडेंट रूल अगर है तो लॉ एंड आर्डर की बराहेरास्त जिम्मेदारी या लॉ एंड ऑर्डर के सिलसिले में बराहेरास्त अथारिटी हिंदुस्तान के होम मिनिस्टर की है और गवर्नर को जुर्रत कैसे हो सकती है कि होम मिनिस्टर की कही हुई बात को तुलके? कुछ समझ में नहीं आता है। खुदा जाने क्या हो रहा है? समझ में आने वाली बात नहीं है कि होम मिनिस्टर जो बराहेरास लॉ एंड ऑर्डर के जिम्मेदार है, वे एक बात नहीं कहते, दोहराते हैं अपनी बातों को। उनकी बात की तरदीद दूसरे मिनिस्टर साहब करते हैं, उनकी बात की

**†**[]Transliteration in Arabic Script.

तरदीद प्राइम मिनिस्टर साहब करते हैं और गवर्नर साहब की जुर्रत की तो कोई हद ही नहीं रही। मैं ताजुब करता हूं कि यह बरदाश्त कैसे किया जा रहा है? इंद्रजीत गुप्त जी ने इस पर रीएक्ट किया।

۲*گۇدىرماحب* بە כית כונצי אנגאנ لكتاج الممك ايتعف لماس

> "When asked about the UP Governor, Romesh Bhandari's remarks that Mr. Gupta might have misquoted, he said, 'I don't know how he says I have been misquoted. He insists on whatever he said is correct.' The Home Minister was also reminded about his reported

remarks in a TV interview that the Prime Minister communicated to him only through the Press. He shrugged his shoulder and then quipped, 'No direct communication with the Prime Minister'."

क्या सरकार है? उत्तर प्रदेश तो तबाह हो रहा है लेकिन हम किस किस्म की सूरत को पेश कर रहे हैं मुल्क के सामने?

What is the concept of collective leadership? The Prime Minister and the Defence Minister are publicly disagreeing with the Home Minister. The Governor is caring two hoots.

यह मैं बरदाश्त नहीं कर सकता, सोच नहीं सकता हूं कि गवर्नर जुर्रत भी कैसे कर सकता है कि वह होम मिनिस्टर साहब की कही हुई बात को दुलके?

ן אין **א**בואכו <del>א</del> 2 South and

Home Minister Sahib, the Governor has been directly shielding the former Health Minister of U.P. and the then Health Secretary from being chargesheeted in the Ayodhya scam. I am sorry, ayuryedic scam.

अर्ग सुरिन्दर कुमार सिंगलाः अयोध्या स्कैम में तो कुछ और हो जाएगा।

SHRI JOHN F. FERNANDES: He has started speaking the truth, Sir.

श्री सिकन्दर बख्तः आयुर्वेद मैंने कहा है। अगर यह आपकी कुछ खुशनूदी का बाईंस होती है तो मुबारक हो आपको। मैं आयुर्वेद कह रहा हूं। मैं इसको

TIJTransliteration in Arabic Script

गैर-सोरियस नहीं बनाना चाहता हूं। मैं कोशिश कर रहा हूं कि सिर्फ वाकयात की बात कहूं, अल्फाज़ की उलट-फेर हो जाती है। मैं कुछ चीज़ें छोड़ रहा हूं।

الفری سکندد بخت پجلی ، آیرد و بوعی ن بجلی - ( ترکیه ۲ بی بی بی فوشند دی کا باعث می تی بی تومبا در می بود می و می بی آیر و در لی برای - میں بی شدی می را بی بنا ناچا بیتا بوی - میں بی شدی کا موں ن موف دد قوات ی بات نیوں الغالی می می بی بی بی بی

> "The very fact that the Union Home Minister has considered it necessary to prepare an acion plan for UP shows that the law and order situation in the State..."

यह जो एक्शन प्लान बनाया है जिसका कल डिक्र हुआ है, जिसके सिर-पैर का पता नहीं चल पा रहा है कि वह क्या है? उसने अपने ज़ेहन में यह रखा है कि अगर कल को सुप्रीम कोर्ट का बयान आ जाता है तो क्या होगा? क्या उसने अपने ज़ेहन में यह रखा है कि पांच महीने तो गुज़र चुके हैं इस मौजूदा

-41.11 في مور اس موجوره =]

illegal and unconstitutional imposition of President's rule in Uttar Pradesh.

थोड़ा वक्त बाकी रह गया है। यह जो आपका एक्शन प्लान बना है।

۲ متورد وقت باتی رہ تھا ہے - یہ جو أيكاديكسش يلان مذابيع -1

Is it co-terminus with the expiry of the present period of six months of the President's rule in Utter Pradesh?

कुछ पता नहीं चला कि वह एक्शन प्लान क्या है? मैं उर्गोद करता हूं कि होम मिनिस्टर साहब जब बोलेंगे तो इसके मुताल्लिक कुछ कहेंगे मगर एक्शन प्लान बनाने को बात ही इस चीज़ का सबूत है कि उत्तर प्रदेश में हालात तबाह हो चुके हैं। जैसा मैंने कहा कि जो दो-तीन बातें होम मिनिस्टर साहब की ज़बान से निकली हैं, मैंने उसको कहा है कि

ديەس مىكى وسفاد معلكو تتباسيون م

He has been passing through a phase of screaming agony.

न्यूज़पेपर की रिपोर्ट और उनकी हैडलाइन के मुताल्लिक भी सुन लीजिए। 16 फरवरी के हिन्दुस्तान टाइप्स में कैप्शन जो है:

( [] Transliteration in Arabic Script

وستحصفه وممتيان كالمتسب

"Politicians cross fire in Uttar Pradesh."

इस बात में से एक टुकड़ा बताकर खत्म करूंगा। पूरी बात कहने की गुंजाइश नहीं है। एक पॉलिटीशियन के बारे में एक साहब ने कहा हैः



"I have been threatened. If I get killed tomorrow, burn this city. At least, 10 guns should be provided to each and every *basti* in this town so that we can fight on our own. As far as Government officials are concerned, we consider them to be dead."

उनका नाम में क्या दूं। यहां लिखा हुआ है पर क्या फायदा है?

الانكانام مين فيادون - يوان للما بوايه يركيا فابتره ب-١

"Spurt in crime exposes the UP Governor's claim."

यह 14 फरवरी का हिन्दुस्तान टाइम्स है। साल्वे साहब आप पछ रहे थे।

†[یہ چردہ فروری کا صغو مدابوےمراحب آب پو

"Six hundred and thirty-three murders were registered in the city during January this year."

आगे और भी है।

التشقاور على يعن سيع-ا

The growing criminalisation of politics and the deep rooted nexas between politicians and constabulary are being sited as prime reasons for the present sorry state of affairs. Even the Director General says policemen from the level of inspector to beat constable feel that politicians come in the way of dealing effectively with the criminal elements."

मिस्टर राव और कोई बात करते है।

f[مسیردرد/ اور کوک بات ترست میں E

"UP law and order takes a nose dive." बहुत लम्बा चौड़ा है। मैं क्या करूं? इसमें ज्यादातर जिक्र विश्वनाथ प्रताप सिंह जो.के घर पर जाका पड़ा है, उसके जर में है।

الربيت مياجور اسم - مين فيا مرون - اس میں نریادہ توذیر وشونا تمہ پرتاپ سنگھی مع محوير ورد بر ايم الم الم المسل المد مع مر الم

"Five bodies found in Muzzafarnagar." This has been reported in the *Indian Express* of 15th February.

"UP police on alert after the killing of Brahmadut Dwivedi."

कौनसी सूरत-ए-हाल है जिसके बिनाह पर गवर्नर साहब ने फरमाया कि यूपी में लॉ ऐंड आर्डर की सिचुएशन बिल्कुल केंट्रोल में है और पहले के मुकाबले में क्या हो रहा है? गवर्नर साहब पर मैं जाती हमला नहीं करना चाहता हूं। मेरे पास अहुत सारा मसाला है जो उनके माजी से ताल्लुक रखता है लेकिन जैसा मैंने अर्ज किया कि मैं किसी जाती हमले के दर्रागयान में नहीं आवा चाहता हूं। मैं खालिस उत्तर प्रदेश की लॉ ऐंड आईर सिजुअ्शन की बात करना चाहता हूं। यह क्या कर रहे है? गर्वार साहब ने इरादतन मरकज़ी सरकार के ईमा पर एक गेर आइनो सूरत-ए-हाल पैदा कर दिए हैं।

الكومسى معودت حال يعجب كم بنا يركون

**†**[]Transliteration in Arabic Script.

صاحب فرمايا كريوي ميمالا لينتز أدودر ى سيواليش بالكل تتوول ميوم بع اور يبغ مقاب مين ليا بور باب - كورز ماحب بري ذاق حد بني تر ناجا جا بل - مرد باس بهت مسادد سساله بع جوائع ما مخدم تعاق ومعتلجه ليكن جيسا يوسف عرض لياكم ميوتسى فراثى يسبي كردميان مين بنسي ذاجا ميتاير میں خانص (تر برد میش ی لا امیند ار دار سودايش كار بات الأناجا بيتا بعاب مدكيا مرديج م وتورز ماحب فد ورد د تا مريس مسركاري ايما يرايت غرزميت معود حال Jest Comments

It is absolutely unconstitutional. President's Rule cannot be imposed over President's rule after the expiry of a year But it is happening. Five months have already passed.

सियामी ऐलानात की बेएतनाई इतलात की बेतकाल फरमाते रहते हैं। किसी भी सरत-ए-हाल में बी॰जे॰पी॰ को सरकार नहीं बनाने देना है। न बनाइए, ठीक है। एक तरफ तो उनका वक्त इस कोशिश में सर्फ हो रहा है। दसरी तरफ उनकी ज़ाती जिन्दगी की अग्याशी का जिक्र करना चाहता हं। राजभवन में हैलीपैड वन रहा है। भंडारीज किंग साइज लिविंग। दो करोड रुपया राजभवन को साज-अप करने के लिए और डेढ लाख रुपये का एक पलंग बनाया गया है। क्योंकि बाज हिस्से जिस्म के बडे होते हैं और खुदा जाने कौनसे जिस्म के हिस्से की हिफाजत के लिए उन्होंने डेढ लाख का पलंग बनवाया है। दो लाख रुपये का सोफा सैट बनवाया है क्योंकि लेटते वक्त भी जिस्म का कुछ हिस्सा पलंग पर लगता है और बैठते वक्त सोफे पर भी लगता होगा। उसकी हिफाज़त बहत जरूरी है। मैं पूछना चाहता हूं कि एक तरफ तो यू॰पी॰ जल रहा है और दूसरी तरफ गवर्नर साहब अय्याशी में मुबतला हैं और इ छ स किस्म के अखराजात की सैंक्शंस कहां से आ रही हैं?

[RAJYA SABHA]

الاسماسي إعلانات مي سے اعتدا يُ اطلاعاً ى بيتقال فرمات رسل يستقر كسور مومودت حال میں بی جے - ی - توسو کار بنیں بنانے دینا بیے۔ بنا ہے۔ مقبلہ سیے۔ ایک لمرض کی المكاوقت اس توسشش بيرجف بوريا به - د وسری لرف ایمی دا تی زنوج کی کاهانش كاذير تر ناجامتدامدر - درج عيون مين عيلى يربن لرباس مستشرار مع لذك مسائز مونگ - دوتروش ومد راج عون تراسمور اب المراخ تعلو الور في بلي لا كم رم سط كاليب يللك بنارا للابي كمولك ببعذ بطقيع جسم ي حقيع كاحفاظت كتلاا بخدب فرويهم للحك كايلنك بناياس - دولات روس كاميوف یٹ نیہ ( *باسع-کعونک ہیں*تہ مرقب ہے) كالتجه زنكجه حقيبه بللآسم للأنبا سطيح موسف يرجى للتراسط -يبمى حفاظت ببت حزورى يبع-ميو يوقينا جا میتا میں نہ ایک لوف تو یہ ی جل رہا ہے۔ ا ود دوسری غرف تور فرمدادید عیامتیومیں ميتلامين اوردس تمسيه مح اخرا جات ي مسينكستن أثبان سع (مرمى سه-]

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया (बिहार): एक प्वाइंट ऑफ आर्डर है। उत्तर प्रदेश का मसला बहुत गंभीर मसला है। हम सब लोग इससे सहमत हैं और इसी कारण से चेयरमैन साहब ने इसमें अनुमति भी दी है पर

†[] Transliteration in Arabic Script.

मेरे ख्याल से राज्यपाल के बारे में या राजभवन के बारे में इस सदन में जो परम्पराएं रही हैं, उनको मद्देनज़र रख..

श्री सिकन्दर बख्तः प्वाइंट ऑफ आर्डर कह रहे हैं इसलिए बैठ जाता हं।

التعرى سكنور بخبت ، يوا مُنْعِثُ أَخْرَ الْحُرْكُر المكر لي مع السلام معظم حاتا مول-

**श्री नरेन्द्र मोहन** (उत्तर प्रदेश)ः वह चीफ ऐक्सीक्यूटिव भी हैं इसलिए उन्हें कहा जा रहा है।

श्री एस॰एस॰ अहलुवालियाः यह आपकी समझ के बाहर है।

श्री नरेन्द्र मोहनः अगर मेरी समझ के बाहर है तो आपकी समझ में आना चाहिए कि...

the Governor is the Chief Executive also and being the Chief Executive it is the right of the House to criticize.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: उपसभाध्यक्ष महोदय, हम वहां के ला एंड आर्डर पर बहस कर रहे हैं। पर ऐसे अल्फाज जिनको हम सबस्टेन्सिएट नहीं कर सकते हैं इस सदन में, क्योंकि हमें वहीं के अफसरों से काम लेना है। वहां कोई भी गवर्नर बैठेगा उसे उन्हीं से काम लेना है। वहां कोई भी गवर्नर बैठेगा उसे उन्हीं से काम लेना है। पर उसी कुर्सों को और उस भवन को इतना ज्यादा बदनाम न करें, उस इंटीट्यूशन को इतना बदनाम न करें। इस सदन के माध्यम से कि कल हो हमारे लिए काम करना मुश्किल हो जाये।... (व्यवधान)...

श्री सिकन्दर बण्डतः आप बैठिए मैं जबाव देना जानता हूं।

الينين سيكتدر بخت وأب مستصد مين حدد د مناحا نتابهد.

श्री एस॰एस॰ अहलुवालियाः इस पर अंकुश लगाना चाहिए। आपको जो करना है करिए, आपको जो आऐप लगाना है लगाइये। किन्तु राजनीतिक मुद्दे को इतना खींचकर नहीं ले जाइये कि किसी इंस्टीट्यूशन को हम कलंकित कर दें। हमारा यही कहना है।

# S-B-133/MP/RSS/ND/98

श्री सिकन्दर बख्तः बिल्कुल नहीं किया है। मैं खाली यह पूछना चाह रहा हूं सदर साहब कि खाली पाइंट आफ आईर...

المفرم مسكنور بخت : با دكل بنيس لكيا یے - میں خای یہ بوچین چاہ رہا ہوں -مدد میاهب نه خای پوایت ۲ ف ۲ دودند ۲۰

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): I think it is not a point of order but you have made point and I think the Leader of the Opposition will keep that in mind.

श्री सिकन्दर बखतः पहले तो मैंने आपसे अर्ज किया था कि मैं अपनी तरफ से कुछ नहीं कहूंगा। मैं एक-एक बात सबूत के साथ कहूंगा। मेरा कहना यह है कि गर्कार साहब के पास एडावाइजर्स हैं लेकिन ला एंड आईर का विषय उन्होंने बराए रास्ते अपने हाथ में रख रखा है। यह इस हाउस की जिम्मेदारी है, केन्द्रीय सरकार की जिम्मेदारी है कि वहां ला एंड आईर का कारोबार माकृलियत से चलाया जाये और हिन्दुस्तान का पैसा जो वहां पर लग रहा है उसकी बजह मालूम होनी चाहिए...

الفرس سکند لربخت، بیمل تو میس خرکیس عرض لیکا عدا کہ میں (بنی فرف سع کچھ نہیں) تبکون کا - میں ایک ایک ایک بات تبویت کے ملحہ تبکون کا - میر (کہنا ایہ ہے کہ کودنر ماحب کے پاس ایڈ واکٹر دس ہیں لیکن لا این ڈ کا دو تر کا ویق معنوں نے براہ لاست اپنے باغ چھ میں ویق معنوں نے براہ لاست اپنے باغ چھ میں ایک دو تعاری کا کا دوبا رستی لیت سے مولل یا جائے ۔ اور معنوں متاب کا ایسا جو د بان برلک دیا ہے (مسکی وجہ معلم ہونی چارہیں سا SHRIMATI RENUKA CHOW-DHURY (Andhra Pradesh): I have the highest regard for you, my dear friend. It has shaken me to the core that we are discussing Governor and the Raj Bhawan vis-a-vis attrocities against women. We are saying that girls were raped on trains. The perceptive is totally...

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-VEDI (Uttar Pradesh): There is an atmosphere of anarchy. These are the symptoms of that. This is what he means to say.

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): श्री सिकन्दर साहब हर बात का जबाव देने के लिए सक्षम हैं।

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब, मैं सिर्फ यह अर्ज करना चाह रहा हूं कि मेरा कोई इरादा गवर्नर साहब पर जातीय हमला करने का नहीं है। मैं इंतिहा से ज्यादा तकलीफ में हं जहनी तौर पर कि उत्तर प्रदेश में तबाही मची हुई है। श्री साल्वे साहब इस को सुनकर चौंक पडे कि 633 केसेज रजिस्टर्ड हुये हैं एक महीने के अन्दर मर्डर के। मैं यह पूछना चाहता हूं कि इस चीज को हम किस रोशनी में पढें कि ला एंड आर्डर खराब है, वहां डवाइजरी काउन्सिल है लेकिन ला एंड आर्डर की बराए रास्त जिम्मेदारी गवर्नर साहब ने अपने पास रख रखी है। एक तरफ उत्तर प्रदेश जल रहा है और दूसरी तरफ जो कछ वहां हो रहा है, मैं जोड कर के बात कह रहा हं----पलंग बनाना, सोफा बनाना, हेलीपैड बनाना, यह जातीय हमला नहीं है बल्कि इस तरफ से आंखे बन्द हैं कि उत्तर प्रदेश में क्या हो रहा है? और इस किस्म की हरकते... (समय की घंटी) में क्या करूं इस बात को खत्म करूं या आगे चलं।

۲۱ مغری سکنور بخت : معدد مماحب میں مرف یہ عرض کر ناجاہ درہا ہوں کہ میرا کو تکادودہ کو در صاحب بر دراتی حملہ کرنے کا بیس سیع میں انتہا سے زیارہ نقایف میں کا سے نے بنی خور بر کہ اکثر بر دمیش میں تناہی میں کھو تک سیے - سنری سما ہوے حیاحب دسکو کسی کچھی بر مدرسوم می تیسیز دجستر دیوستری موسی -ا بیت میپذی از در مرکزمی - میں یہ بر مین جا بیتا میں ته دس جیز کو بم کسی دوسی میں بر حین ته دائردی کا تونسل ہے - لیکن لا اینڈ ارڈری براہ در مست ذمہ داری گرز ماہ سن دین بارہ در مست ذمہ داری گرز ماہ سن دین بارہ در مست ذمہ داری گرز ماہ سن دین بارہ در مست ذمہ داری بر میں میں میں تربی کہ تر برد بیش میں کیا بال ب میں کیا کروں اس بات کو تش کی ہے ۔ میں کیا کروں اس بات کو تش میں کیا بال ب میں کیا کروں اس بات کو تش میں کیا بال میں میں کیا کروں اس بات کو تش میں کیا بال میں میں کیا کروں اس بات کو تش میں کیا داری میں میں کیا کروں اس بات کو تش میں کیا داری میں میں کیا کروں اس بات کو تش میں کیا تا کہ میں کیا کہ کر میں کیا کروں اس بات کو تش کر کر تیں تا کم میں کی کا کہ ت

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Kindly conclude.

श्री सिकन्दर बख्तः सदर साहब, बहुत अच्छा मैंने आपका आदेश मंजूर कर लिया है। सदर साहब, यू॰पी॰ में एक गैर आईनी सूरतेहाल चल रहा है। प्रेसीडेंट्स रूल का एक साल गुजर जाने के बाद इस स्टेट में प्रेसीडेंट्स रूल नहीं लगाया जा सकता था। ऐसी सूरत में, इसका इख्तियार आईन ने पार्लियामेंट को भी नहीं दिया, लेकिन यू॰पी॰ में यह भी हो रहा है और दीदा दिलेरी से हो रहा है। वहां पर प्रेसीडेंट्स रूल की छह महीने की मियाद भी खत्म होने वाली है। हालांकि इलाहाबाद हाई कोर्ट के तीन जजों की पूरी बैंच ने इक्तफाक राय से 19 दिसम्बर को फैसला दिया और उन्होंने इस नोटिफिकेशन को क्वेश किया। यह भी कहा कि पार्लियामेंट में इसके रेटिफिकेशन का नोटिफिकेशन भी गैर-आइनी है। इट इज इल्लिगल। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस सिलसिले में तीन बातें खासतौर से कहों। गवर्नर ने बड़ी पार्टियों से बातचीत शुरु ही नहीं की, फ्लोटेस्ट के बारे में अमली कदम उठाने के लिए सोचना चाहिये था और जमूहरियत के तहफ्फ़ज की कोई कोशिश नहीं हुई। इस सुरत में

الشوسكندر بخت مجاری ، یہ بی نهاد بادیسمنٹ میں اسکے دیں میں فیکنیٹ کانولیندیکن بی غیر کر نئی سے ڈامش از ایسکل ، ادام با د حالی کو دست (س سیسیل میں تیں بایش خاص طور سے کہیں - گودنس نبری پارتیوں سے بات جیست نشروع ہی نہیں کی -فلوشیسٹ

The entire State of Uttar Pradesh has been left to the whims and fancies of an individual whose main job is to keep the BJP out of the Government at the behest of his masters at the Centre.मैं मरकज की जिम्मेदारी मानता हं।

The State of UP is being governed unconstitutionally. Sir, if such a state of affairs is allowed to continue in the largest State of this country, if the political leaders are hounded out or killed in cold blood, if the Government machinery becomes a silent spectator to all sorts of heinous crime, I am afraid democracy will go not only from UP but also from the whole country. What is at stake is the survival of the democratic polity.

मैं यह भी अर्ज करना चाहूंगा सदर साहब कि यह भी सोचा जाये कि अगर किसी सूबे में सरकार कानून के रास्ते पर नहीं चल रही है तो प्रोसिडेंट्स रूल लगा दिया जाये। अगर केन्द्र में ही गैर कानूनी कार्यवाही होगी तो उसका इलाज क्या है, उसका हल क्या है, किसके पास है? पार्लियामेंट तक से वढ अख्तियार कांस्टीट्यूशन में ले लिया है लेकिन उस पर बदकिस्मती से कोई अमल नहीं हुआ, कुसूरवार मरकजी सरकार हो जो गवर्नर के जरिये से गैर पार्लियामेंटरी सरकार को कायम रखे हुए है। साल भर पूरा होने के बाद 17 अक्तूबर को प्रेसिडेंट्स रूल फिर कायम किया गया। इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला इन्होंने गैर-कानूनी ठहराया और सुप्रीम कोर्ट से फैसला अभी तक आया नहीं, कब आयेगा, 6 महोने की मुद्दत तो तकरीवन खत्म होने वाली है, हमारे पास इसके अलावा क्या चारा है?

ں یہ عرمن کر ناچا ہوئے اصدر معاصبہ بعيجا جلي الرُئيس معوب م

الما جارو ب-1

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): Mr. Bakht, would you like to continue after lunch also?

SHRI SIKANDER BAKHAT: No, Sir. I am finishing my speech in two minutes. I will take only two minutes more. में तो बहुत कुछ छोड़ चुका हूं, सदर साहब।

The judgement of the High Court required convening of the elected Assembly so as to allow the people's representatives to elect a Government and its leader. In the words of the

[RAJYA SABHA]

Attorney-General of India, there was a clear and demonstrable failure of the constitutional machinery. It was induced by the Central Government acting in abuse of power and directing the Governor to ensure that the BJP was not given the chance although it was the largest single party. The Centre's preferences ...(Interruptions)...

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Mr. Vice-Chairman, Sir, how can he quote from the judgement?

SHRI SIKANDER BAKHT: I am not saying anything against the Supreme Court's judgement.

SHRI JOHN F. FERNANDES: This has been stayed by the Supreme Court. The matter is sub judice.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): He is only quoting from the judgement.

SHRI SIKANDER BAKHT: What have I said? I did not say one word against the Supreme Court. What have I said? I want to know. I have not said anything against the Supreme Court.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI) He has only quated from the judgement.

SHRI SIKANDER BAKHT: I have only said that the Supreme Court...(Interruptions)... What are they saying? ...(Interruptions)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Please take your seats.

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-VEDI: Sir, all that we want is a democratic Government in Uttar Pradesh...(Interruptions)...

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): श्री अहलुवालिया जी, कृपया बैठ जाइये ...(क्यवधान)...

If there was a vaccum at all, it was a vaccum of good sense and propriety.

मैं कहना चाहता हूं कि इस सूरत-ए-हाल में जो मौजूदा हालत कानूनीतौर पर, कांस्टीट्यूशनल तौर पर उत्तर प्रदेश में चल रही है, हमारे पास चारा क्या है? एक कदम तो उठाया जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में कानून और व्यवस्था को सूरत-ए-हाल तबाह को चुकी है जिसके लिए मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है,मैंने सिर्फ कोट्स में आपसे बात की है कि इन गवर्नर साहब को वहां से हटाया जाये, किस चीज का इंतजार है? मेरा ख्याल यह है कि केन्द्र सरकार ने कल अपने एक्शन-प्लान का मतलब सिवाय इसके कुछ नहीं कि जो सूरत-ए-हाल चल रही है, उत्तर प्रदेश में वह जारी रहे। मेरा मुतावला आखिर में सिर्फ यह कहने का है कि इन गवर्नर साहव को फोरन से भी पहले बर्ख्वास्त किया जाए।

میں بہذایہ چا بہتا ہے کہ اس مودست حال میں موجودہ حالت قانونی مور برکا تسییر پیش مور براتر بردیش میں جل اپی ہے۔ ہماد باس جامد لیا ہے ایک تعریم تواعد با جاسکتا میں تاب سے مان می سیمے یہ ان تو زماجہ میں تاب سے معنا با جائے۔ تس چیز کا انتظار سیم رائی سے معنا با جائے۔ تس چیز کا انتظار ابند دیکسی بلان کا ذکر کیا ہے۔ اس ایکس ابند دیکسی بلان کا ذکر کیا ہے۔ اس ایکس ابند دیکسی بلان کا ذکر کیا ہے۔ اس ایکس میں کہ جومہ دس حال جل بی ہے دقر بردیش میں کہ جومہ دس حال جل بی ہے دقر بردیش میں



उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): सदन की कार्यवाही दोपहर के भोजन के लिए 2 बजे तक के लिए स्थागित की जाती है।

The House adjourned for lunch at one of the clock.

The House reassembled after lunch at four minutes past two of the clock—THE VICE-CHAIRMAN (SHRI P.K. JOGI) in the Chair.

## SHORT DURATION DISCUSSION

Deteriorating Law and Order Situation in Utter Pradesh-Contd.

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): सैयद सिब्ते रजी जी।

सैयद सिब्ले रज़ी (उत्तर प्रदेश): वाइसचेयरमैन साहब, इससे पहले कि मैं अपनी बात रखूं मैं समझता हूं कि प्रारम्भ में ही इस बात को साफ कर दूं कि जब हम इस परिचर्चा में राज्यपाल महोदय का नाम लेते हैं तो हमारा तारपर्य राज्यपाल पर व्यक्तिगत आक्षेप से ताल्लुक नहीं रखता है क्योंकि हम राज्यपाल को कांस्टीट्यूशन के उन प्रावधानों के तहत यहां डिसकस नहीं कर रहे हैं जिनके तहत हम उस हाई आफिस पर कुछ बातचीत नहीं करते। लेकिन आज जो हम यहां पर चर्चा कर रहे हैं क्योंकि वहां राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है और राष्ट्रपति शासन के अन्तर्गत संविधान के अनुच्छेद 396(I) (ए), (बी) और (सी) का अगर खुलासा किया जाए...

में सदन का अधिक समय नहीं लेना चाहूंगा कि उन प्रावधानों को आप के सामने प्रस्तुत करूं। स्वयं आप उसे भलीभांति जानते हैं कि जब हम राज्यपाल का नाम लेते हैं और वहां आर्टिकल 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है तो प्रोक्लेमेशन की घोषणा करते ही सारी-की-सारी एक्जीक्यूटिव पावर्स या एक्जीक्यूटिव फंक्शंस की जितनी भी जिम्मेदारियां और अधिकार हैं, वह राष्ट्रपति के हाथों में निहित हो जाती है और जब राष्ट्रपति के हाथों में शक्तियां निहित हो जाती है तो निश्चित रूप से हमारा जो फेडरल सिस्टम है या पार्लियामेंटरी सिस्टम ऑफ गवर्नमेंट है, उस में जब-जब हम राष्ट्रपति का नाम लेंगे या राष्ट्रपति शासन का नाम लेंगे या राज्यपाल का नाम लेंगे तो हमारा ताल्पर्य केन्द्र सरकार से होगा क्योंकि केन्द्र सरकार ही आर्टिकल 356 के अंतर्गत वहां पर शासन चला रही होती है। यह सही है कि राज्यपाल उस का एक माध्यम होता है, उस का एक प्रतिनिधि होता है। इसलिए उपसभाध्यक्ष महोदय, आज जो परिस्थिति उत्तर प्रदेश में उभरकर आई है, मैं समझता हं कि मुख्य रूप से केन्द्र सरकार उस की जिम्मेदार है। यदि केन्द्र सरकार ने पर्ण रूप से वहां के शासन में, प्रशासन में दिलचस्पी ली होती तो आज यह परिस्थिति नहीं पहुंचती कि गवर्नर साहब किसी गलतफहमी के कारणवंश या जाने अनजाने में संविधान के ये जो अनच्छेद हैं, संविधान के जो आर्टिकल्स या प्रोवीजंस हैं. उन को या तो वह भूल गए हैं या उस की अनदेखी कर रहे हैं और यह समझ बैठे हैं कि शायद वहां पर किसी एक व्यक्ति विशेष का शासन है या एक विशेष राजनीतिक पार्टी का शासन है या जो संयक्त मोर्चा है, उस का शासन है जबकि असल में वहां पर इस वक्त शासन केन्द्र सरकार का है। इसीलिए उपसभाध्यक्ष महोदय, हम सब चिंतित होगए जब लोक सभा में हमारे गह मंत्री जी ने यह कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रशासन इस हद तक पहुंच चका है, वहां कानून और व्यवस्था को स्थिति इस हद तक खराब हो गयी है कि वह अनाकों, डिवास्टेशन और बर्बादी की तरफ पहुंच आएगा। इस से हम सभी आहत हए और हम सब को एक थका लगा और निश्चित रूप से जब हम ने हमारे प्रदेश की ऐसी स्थिति पर परिचर्चा कराने की बात की तो हमारे जेहन के अंदर माननीय गृह मंत्री जी का यह वक्तव्य था। हमें खेद है कि संसदीय प्रणाली के अंतर्गत जो हमें अधिकार मिले हैं, उन अधिकारों से आज जो केन्द्र सरकार वहां पर शासन कर रही है और उन के जो प्रतिनिधि वहां पर बैठे हुए हैं, वह हमें इस से वंचित करना चाहती है। उपसभाध्यक्ष महोदय, जिस तरह से माननीय गह मंत्री जी की टिप्पणी के ऊपर प्रेस कांफरेंस के जरिए वक्तव्य महा-महिम राज्यपाल महोदय ने, उन की जो एकजीक्यूटिव पोजीशन है, उस का इस्तेमाल करते हए किया, उससे हम सभी आहत हुए और यह जो पार्लियामेंटरी सिस्टम ऑफ गवर्नमेंट की महान परंपराएं हैं या फेडरल सिस्टम की परंपराएं हैं उन पर उस वक्त काफी चोट पहुंचती है।

महोदय, अभी जैसांकि तबसरा हमारे लायक दोस्त ने किया कि पायोनियर न्यूज पेपर में कल या परसों छपा है कि गृह मंत्री जी तो जानते ही नहीं हैं कि उत्तर प्रदेश में क्या हो रहा है? उन के पास फैक्टस् नहीं हैं, फिगर्स नहीं